NCERT Solutions For Class 12 Hindi Aroh (Poem)

CH 4 – कमेरे में बंद अपाहिज

प्रश्न 1. कविता में कुछ पंक्तियाँ कोष्ठकों में रखी गई है- आपकी समझ से इसका क्या औचित्य है?

उत्तर: कविता में कुछ पंक्तियाँ कोष्ठकों में इसलिए रखी गई है ताकि वह कवि के भाव को व्यक्त कर सके। इन पंक्तियों के माध्यम से भिन्न-भिन्न लोगों को व्यक्त किया गया है। जैसे- इस पंक्ति में कैमरामैन के लिए: इससे बड़ा कैमरा दिखाओ, पंक्ति में दर्शकों के लिए: हम खुद इशारों से बताएंग और अपहाहिज व्यक्ति के लिए: बस थोड़ी कसर रह गई। ये सभी कोष्टक कविता के उद्देश्य को समझाने में सहायक हैं।

प्रश्न 2. कैमरे में बन्द अपाहिज करुणा के मुखौटे में छिपी क्रूरता की कविता है- विचार लिखिए।

उत्तर: कवि ने इस कविता के माध्यम से विकलांगता और उसके बाजार को बहुत अच्छी तरह से समझाने कि कोशिश की है। लोग हमेशा ही विकलांगो को दया दिखाते हैं और यह अच्छी बात है परन्तु कुछ लोग ऐसे भी होते हैं जो बस दयावान होने का दिखावा करते हैं। दूरदर्शन पर एक कार्यक्रम दिखाया जा रहा है जिसमें एक विकलांग को कैमरे के सामने लाकर उसके प्रति सहानुभूति दिखाई जाती है। यह बस इसलिए किया जा रहा है ताकि वह कार्यक्रम सफल हो जाए। ऐसी झूठी करुणा को देखकर मन दुखी हो जाता है। यह हमारे वर्तमान के समाज की सच्चाई है जो बस पैसे को महत्व देती है। आज समाज में करुणा बस एक शब्द बनकर रह गया है।

प्रश्न 3. हम समर्थ शक्तिमान और हम एक दुर्बल को लायेंगे पंक्ति के माध्यम से कवि ने क्या व्यंग किया है?

उत्तर: कवि इस पंक्ति के माध्यम से कहना चाहते है की आज के समाज में मीडिया बस इसी प्रकार के कार्यक्रमों को चलती है। जहाँ एक कमजोर व्यक्ति और एक शक्तिशाली व्यक्ति को आमने सामने लाया जाता है ताकि उनके कार्यक्रम को सफलता मिले। वह ऐसा इसलिए करते है क्योंकि शक्तिशाली व्यक्ति के आगे एक विकलांग और भी कमजोर और असहाय लगेगा जिससे कार्यकम को देखने वाले लोगों को उसपे करुणा आएगी और उनका कार्यक्रम को देखने का मन करेगा। मीडिया वाले यह सब बस सफलता पाने के लिए करते हैं।

प्रश्न 4. यदि शारीरिक रूप से चुनौती का सामना कर रहे व्यक्ति और दर्शक, दोनों एक साथ रोने लगेंगे, तो उससे प्रश्नकर्ता का कौन-सा उद्देश्य पूरा होगा?

उत्तर: एक कार्यक्रम के प्रश्नकर्ता का बस इतना ही काम होता है कि वह कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए ऐसे प्रश्न पूछे जिससे सभी भावुक हो जाए और वह उनकी करुणा का लाभ उठाकर पैसे

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

कमाएं। यदि उसके कार्यक्रम के दर्शक और उसका कमजोर अतिथि एक साथ रोने लगे तो उसके कार्यक्रम को सफलता मिलेगी और वह इसी के लिए कार्य कर रहा है। कोई भी कार्यक्रम निर्माता यह सोचकर ही कार्यक्रम बनाता है कि की वह उससे पैसे कमाए, वह ये कभी नहीं सोचता की उसके कार्यक्रम के द्वारा लोगों को अच्छी शिक्षा मिल रही है या नहीं। वह विकलांगो को इस्तेमाल करके लोगों के दिलों में करुणा पैदा करता है।

प्रश्न 5. परदे पर वक़्त की कीमत है कहकर कवि ने पूरे साक्षात्कार के प्रति अपना नज़रिया किस रूप में रखा है?

उत्तर: कवि कहते हैं कि टेलीविजन कार्यक्रमों का उद्देश्य बस पैसे कमाना होता है। उनका समाज सुधार से कोई लेना देना नहीं होता है। इन कार्यक्रमों में कमजोर व्यक्ति (विकलांग) को रखा जाता है ताकि वह दर्शकों को भावुक कर सके और कार्यक्रम को सफल बना सके। प्रश्नकर्ताओ को विकलांग से कोई मतलब नहीं होता है, वो बस उनका इस्तेमाल करते हैं। कवि कहते हैं कि कार्यक्रम निर्माता दर्शकों से सहानुभूति लेते हैं और उन्हें ज़रा भी शर्म नहीं आती अपनी ऐसी क्रूरता दिखाते हुए। यह सब कहकर कवि गुस्सा होते हैं।

प्रश्न 6. यदि आपको शारीरिक चुनौती का सामना कर रहे किसी मित्र का परिचय लोगों से करवाना हो, तो किन शब्दों में करवाएँगी?

उत्तर: मै अपने दिव्यांग दोस्त का परिचय कुछ इस तरह करूंगा:

यह मेरा वहीं दोस्त है जिसके बारे में मै जिक्र किया करता हूँ। इसने मुझे हमेशा मेहनत करने के लिए प्रेरित किया है। इसने कभी अपने दिव्यांग होने का बहाना देके संघर्ष करने से खुद को रोका नहीं है। इसने जीवन की हर चुनौती का डट कर सामना किया है और उसमें विजय भी हासिल की है। यह बहुत ही दृढ निश्चयी भी है, जिस चीज का संकल्प ले लेता है वो पूरा करके ही छोड़ता है। इसने अपनी सफलताओं से हम सभी को बहुत प्रेरित किया है।

प्रश्न 7. सामाजिक उद्देश्य से युक्त ऐसे कार्यक्रम को देखकर आपको कैसा लगेगा? अपने विचार संक्षेप में लिखे।

उत्तर: सामाजिक उद्देश्य से युक्त ऐसे कार्यक्रम को देखकर मुझे बहुत दुख होगा क्योंकि मीडिया इन कार्यक्रमों को अपने मतलब के लिए इस्तेमाल करते हैं। मुझे यह सब देखकर बहुत दुख होगा क्योंकि ऐसी क्रूरता मानव के लिए नहीं हैं। मैं इसके खिलाफ आवाज उठाऊँगा और इसको खत्म करने का प्रयास करूंगा।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्रश्न 8. यदि आप इस कार्यक्रम के दर्शक हैं तो टी.वी. पर ऐसे सामाजिक कार्यक्रम को देखकर एक पत्र में अपनी प्रतिक्रिया दूरदर्शन निदेशक को भेजें।

उत्तर:

आदरणीय निदेशक,

पिछले वीरवार को आपके चैनल पर दिखाए गए अपाहिज व्यक्ति के साक्षात्कार को देखकर मुझे बहुत दुःख हुआ। ऐसा लगा जैसे आपने मानवीयता को किनारे कर दिया है। साक्षात्कार में पूछे गए प्रश्नों से स्पष्ट होता है कि दूरदर्शन अब केवल मुनाफा कमाने का साधन बन गया है। इस तरह का कार्यक्रम दिखाकर आपने पूरी मानवता को शर्मिंदा किया है। मुझे उम्मीद है कि भविष्य में आप ऐसे कार्यक्रमों का प्रदर्शन नहीं करेंगे।

राम मीरगंज, इलाहाबाद

प्रश्न 9. नीचे दिए गए खबर के अंश को पढ़िए और बिहार के इस बुधिया से एक काल्पनिक साक्षात्कार कीजिए।

उत्तर:

साक्षात्कार

रवि (प्रश्नकर्ता) - सबसे पहले, आपको इस अद्भुत उपलब्धि के लिए बधाई! आपकी उम्र क्या है?

बुधिया - पाँच साल।

रवि - आपकी विकलांगता कब से है?

बुधिया - जन्म से।

रवि - इस समय आप कहाँ पढ़ रहे हैं?

बुधिया - नवरसना एकेडमी, बेउर में।

रवि - विकलांगता के कारण क्या आपको चलने में कठिनाई होती है?

बुधिया - पहले होती थी, लेकिन अब मुझे इसकी आदत हो गई है।

रवि - आपको यह उपलब्धि हासिल करने की प्रेरणा किससे मिली?

बुधिया - जी, उड़ीसा के बुधिया जी से, जिन्होंने 65 किलोमीटर दौड़ लगाई थी।

रवि - आपका सपना क्या है?

बुधिया - मैं कश्मीर से कन्याकुमारी तक पैदल चलना चाहता हूँ।

रवि - हमारी शुभकामनाएँ आपके साथ हैं।

बुधिया - बहुत-बहुत धन्यवाद!

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in